

प्रेषक,  
अमरेन्द्र सिन्हा  
सचिव,  
उत्तराखण्ड शासन।  
सेवा में,  
गन्ना एवं चीनी आयुक्त,  
उत्तराखण्ड, काशीपुर।

सहकारिता गन्ना एवं चीनी अनुभाग-2      देहरादून      दिनांक 31 मार्च, 2008

विषय:- वित्तीय वर्ष 2008-09 के लिए गन्ना विकास एवं चीनी उद्योग विभाग के अधिष्ठान हेतु वित्तीय स्वीकृति।

महोदय,

वित्तीय वर्ष 2008-2009 की वित्तीय स्वीकृतियाँ निर्गत किये जाने विषयक सचिव, वित्त के पत्र संख्या-267/XXVII(I)/2008, दिनांक 27.03.2008 के संदर्भ में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि वित्तीय वर्ष 2008-09 में अनुदान संख्या-17 के अन्तर्गत गन्ना विकास एवं चीनी उद्योग विभाग के अधिष्ठान हेतु प्राविधानित धनराशि के सापेक्ष आयोजनेत्तर पक्ष की वचनबद्ध मदों हेतु 69362 हजार रुपये (छः करोड़ तिरानबे लाख बासठ हजार रुपये मात्र) की वित्तीय स्वीकृति श्री राज्यपाल महोदय निम्नांकित विवरणानुसार सहर्ष प्रदान करते हैं-

मानक मद	धनराशि (रु० हजार में)
01- वेतन	28350
02- मजदूरी	100
03-महंगाई भत्ता	21263
04-यात्रा व्यय	300
05-स्थानान्तरण यात्रा व्यय	150
06-अन्य भत्ते	3119
07-मानदेय	50
08-कार्यालय व्यय	528
09-विद्युत देय	250
10-जलकर/जलप्रभार	2
11-लेखन सामग्री और फार्मों की छपाई	100
13-टेलीफोन पर व्यय	200
15-गाड़ियों का अनुरक्षण और पेट्रोल आदि की खरीद	300
17-किराया, उपशुल्क और कर-स्वामित्व	200
27-चिकित्सा व्यय प्रतिपूर्ति	300
47-कम्प्यूटर अनुरक्षण/तत्सम्बन्धी स्टेशनरी का क्रय	400
48-महंगाई वेतन	13750

योग-

69362

(छः करोड़ तिरानबे लाख बासठ हजार मात्र)

2. उक्त स्वीकृति इस शर्त के अधीन है कि निवर्तन पर रखी धनराशि को आहरण वितरण अधिकारियों को तत्काल अवमुक्त कर दी जाए। आहरण वितरण अधिकारियों तथा कोषाधिकारियों को अवमुक्त धनराशियों का विवरण प्रत्येक माह वित्त विभाग को बी0एम0 17 पर उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें।
3. आहरण वितरण अधिकारी अपने स्तर से फॉट कर सूचित करें।
4. बजट मैनुअल में निर्धारित प्रक्रिया के अधीन कोषागार द्वारा प्रमाणित बाउचर संख्या एवं दिनांक के आधार पर आवंटित बजट की सीमा में प्रतिमाह 5 तारीख तक प्रपत्र बी0एम0-5 पर आहरण एवं वितरण अधिकारी पूर्व माह की सूचना विभागाध्यक्ष को तथा प्रपत्र-13 पर विलम्बतम 20 तारीख तक विभागाध्यक्ष द्वारा वित्त विभाग को अनिवार्य रूप से उपलब्ध कराई जाए तथा आहरण एक मुश्त न करके आवश्यकतानुसार ही किया जाए।
5. धनराशि निर्धारित मद में ही व्यय की जाये एवं व्यय करते समय वित्त विभाग के मितव्ययता संबंधी आदेशों का पूर्णतः पालन किया जाए।
6. उक्त पर होने वाला व्यय वित्तीय वर्ष 2008+09 के अनुदान संख्या-17 के लेखाशीर्षक 2401-फसल कृषि कर्म, 108-वाणिज्यिक फसलें, 03-गन्ना विकास एवं चीनी उद्योग विभाग के अधिष्ठान के अंतर्गत सुसंगत इकाईयों के नामें डाला जायेगा।

भवदीय,

(अमरेन्द्र सिन्हा)  
सचिव।

संख्या-282(1)/XIV-2/2008/ N.P/2008, तददिनांकित

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित-

1. महालेखाकार, लेखा एवं हकदारी, उत्तराखण्ड देहरादून।
2. जिलाधिकारी/वरिष्ठ कोषाधिकारी, हरिद्वार/देहरादून/ऊधमसिंहनगर/हल्द्वानी, नैनीताल, उत्तराखण्ड।
3. वित्त अनुभाग-4, उत्तराखण्ड शासन।
4. निदेशक, राष्ट्रीय सूचना केन्द्र, उत्तराखण्ड देहरादून।
5. गार्ड फाईल।

आज्ञा से,

(वीरेन्द्र पाल सिंह)  
अनुसचिव।